मेरा देश तुम्हारी घृणा की प्रयोगशाला नहीं है

दिनकर कुमार

क्रमांक सूची

1. .. सोलह मई के बाद 1
2. .. मेरा देश तुम्हारी घृणा की प्रयोगशाला नहीं है..... 3
3. .. मितरों सुनो मितरों..... 4
4. .. पूंजीपतियों की जंजीर में बंधा हुआ कुत्ता..... 5
5. .. अच्छे दिन की वेशभूषा में बुरे दिन 7
6. .. संविधान की छाती पर पैर रखकर..... 8
7. .. कारपोरेट मीडिया का कोरस..... 9
8. .. नींद में डूबे हुए लोगों को..... 10
9. .. आवारा पूंजी की चाकरी करते हुए..... 11
10. विकास के रथ के पहिए 12
11. मुजफ्फरनगर एक घाव है..... 13
12. अडानी का तोता..... 14
13. जब भी तुम..... 15
14. क्या तुम..... 16
15. तुम्हारी प्रायोजित महानता..... 17
16. जो तुमसे सहमत नहीं 18
17. कंपनी राज में लालच ही है कानून 19
18. लोकतंत्र का वेष धरकर आई है तानाशाही 21
19. तुम्हारे वादों की कश्तियां डूब गईं 22
20. जो तुम्हारी जयजयकार नहीं करते..... 23
21. घृणा के सहारे..... 24
22. लव जिहाद का काल्पनिक प्रेत..... 25
23. तुम्हारी परदादारी छिपा नहीं पाएगी..... 26
24. तुम खेलो साझी विरासत से..... 27
25. वे जो चुप हैं..... 28
26. कब रही है तानाशाही 29
27. अंधराष्ट्रवाद तुम्हारा हथियार है..... 30
28. खलनायक बैठ रहे हैं 31
29. तुम शेयर बाजार के लिए ईश्वर हो..... 32
30. डिजाइनर पोशाकें तुम्हें बरी नहीं कर सकतीं 33
31. तुम्हारी उपलब्धियां..... 34
32. तुम विकास का कनटोप पहनकर..... 35
33. धर्म का नाम लेकरझ..... 37
34. इतिहास की गलतियां सुधारना चाहता है तानाशाह 38
35. विकास और सुशासन के मुखौटे..... 39
36. बहुमत का अर्थ निरंकुशता नहीं..... 40
37. भगवा शिक्षा..... 41
38. मेरे शहर में गुलामों की मंडी..... 42
39. शिकार से पहले 43
40. राजा नंगा है..... 44
41. सात अरब रुपए..... 46
42. तुम्हारी पीठ पर 47
43. लोकतंत्र एक खिलौना है तुम्हारे लिए..... 48
44. जो तुम्हारे साथ नहीं है..... 49
45. जब कोई किसान खुदकुशी करता है..... 50
46. झूठ को दैत्य बनाने के लिए..... 52
47. एक चाय बेचनेवाला 54
46. तुम्हारी हिंसक हंसी 56
49. भेड़िया अब जेड श्रेणी की सुरक्षा में 57
50. लोकतंत्र का महापर्व..... 58
51. विकास का बुलडोजर..... 59
52. कारपोरेट से पूछकर ही सांस लेनी होगी..... 60

53. शुरू होता है विनाश का पर्व 61
54. अच्छे दिन 63
55. प्रगति के पहिए के नीचे 64
56. ऐसे विकास से डर लगता है 65
57. गोडसे की महिमा गा रहे हो 66
58. धर्मांतरण के बहाने 67
59. कैसे हम सहमति के साथ सिर हिलाएं 68
60. दक्षिणपंथ 69
61. इससे पहले कि घृणा निगल जाए मानचित्र को 70
62. तुम कारपोरेट पूंजी के चाकर हो 71
63. कारपोरेट प्रभु की सवारी आ रही है 72
64. लोकतंत्र का अपहरण करने के बाद 73
65. लहू के दाग 74
68. प्रजा का नसीब 75
67. नौलखा कोट छिपा नहीं पाएगा 76
68. धार्मिक चरमपंथियों का सबसे संगठित परिवार 77
69. यह खतरनाक समय है 78
70 अगड़म बगड़म 79

पहले वे यहूदियों के लिए आए
मैं कुछ नहीं बोला
क्योंकि मैं यहूदी नहीं था
फिर वे मानवाधिकारवादियों के लिए आए
मैं कुछ नहीं बोला
क्योंकि मैं मानवाधिकारवादी नहीं था
फिर वे ट्रेड यूनियन वालों के लिए आए
मैं कुछ नहीं बोला
क्योंकि मैं ट्रेड यूनियन वाला नहीं था
फिर वे कम्युनिस्टों के लिए आए
मैं कुछ नहीं बोला
क्योंकि मैं कम्युनिस्ट नहीं था
फिर वे मेरे लिए आए
और मेरे लिए बोलने वाला कोई नहीं था।

–मार्टिन नीमोलर

सोलह मई के बाद

भय और संशय बढ़ गया है
सोलह मई के बाद
इकतीस फीसदी मतों के सहारे सत्ता तक पहुंचनेवाले
खुद को एक सौ बीस करोड़ प्रजा का
प्रतिनिधि बता रहे हैं और
मनमानी करने की छूट मांग रहे हैं

पूंजी और खौफ तले दफन हो गया मीडिया
सोलह मई के बाद
गाने लगा एक ही स्वर में विरुदावली
झुकने की जगह दंडवत लेट गया मीडिया
सोलह मई के बाद

दमनकारी व्यवस्था अट्टाहास करने लगी है
सोलह मई के बाद
कोने में दुबककर रह गया है लोकतंत्र
सोलह मई के बाद

संविधान पर मंडराने लगा है खतरा
सोलह मई के बाद
प्रजातंत्र का होने लगा है भगवाकरण
सोलह मई के बाद

आठ सौ साल बाद हिंदू सरकार का गर्व
जताया जा रहा है
सोलह मई के बाद
घृषणा की राजनीति फैल रही है
सोलह मई क बाद ।